वार्षिक पत्रिका
अंक : 23 (2016)

प्रवाहिनी

राष्ट्रीय जलविज्ञान संस्थान
जलविज्ञान भवन
रूड़की - 247 667 (उत्तराखण्ड)

वार्षिक पत्रिका

अंक : 23 (2016)

पुस्तकालय
राष्ट्रीय जलविज्ञान संस्थान, रुड़की

प्रवाहिनी

आपो हिष्टा मयोभुवः

राष्ट्रीय जलविज्ञान संस्थान
जलविज्ञान भवन
रूड़की – 247 667 (उत्तराखंड)

संपादक मंडल

डॉ. रमा मेहता, वैज्ञानिक–'डी' एवं राजभाषा प्रभारी

डॉ. मनोहर अरोड़ा, वैज्ञानिक–'डी'

श्री प्रदीप कुमार उनियाल, वरिष्ठ अनुवादक

श्री पवन कुमार, वैयक्तिक सहायक

नोट : इस पत्रिका में संकलित विचार लेखकों के अपने हैं, राष्ट्रीय जलविज्ञान संस्थान एवं संपादक मण्डल का इनसे सहमत होना आवश्यक नहीं है।

अनुक्रमणिका

क्रमांक	विषय–वस्तु	पृष्ठ संख्या
1.	दुनिया भर में बढ़ता हिंदी भाषा का कारवाँ **निशा किचलू**	1–2
2.	चेन्नई बाढ़: अवलोकन और सबक **डॉ० अनिल कुमार लोहनी**	3–11
3.	एक दिन–माँ के नाम **मानस अग्रवाल**	12–13
4.	महत्वपूर्ण बिंदु **अंशिका**	14–17
5.	रिश्तों का आनन्द कैसे उठायें **डॉ० रमा मेहता**	18–23
6.	भारत में जल विद्युत विकास **पुष्पेंद्र कुमार अग्रवाल**	24–26
7.	भारतीय साहित्य और कुटुंब **डॉ० अनिल कुमार शर्मा**	27–31
8.	अनमोल वचन **झलक गोयल**	32–34
9.	प्यासी धरती–प्यासे लोग **विजय कुमार शर्मा**	35–36
10.	परनिन्दा स्वयं की हानि **ईशा चौधरी**	37–38
11.	जल से ही कल **श्रीमती सुधा शर्मा**	39–41
12.	राष्ट्रीय विकास में मेक इन इन्डिया का महत्व **अर्पित चौधरी**	42–46
13.	स्वर्ग यही **श्रीमती आशा शर्मा**	47

14. हिमालय के जल संसाधनों पर जलवायु परिवर्तन का प्रभाव 48–51
नरेश कुमार एवं मनोहर अरोड़ा

15. वसीयत एक–फायदे अनेक 52–57
निधि गर्ग

16. कलम दवात की बदौलत 58
राज चन्द्रा

17. सम्पर्क भाषा के रूप में हिंदी 59–60
डॉ० एम० आर० सकलानी

18. उत्तराखंड के जनजातीय क्षेत्र जौनसार बावर की आस्थाएं एवं लोक परम्पराएं 61–69
डॉ. दीपक डोभाल

19. जीवन में पृथ्वी की तरह धैर्यवान बनें 70
पारूल

20. अमृत वचन 71
सुखपाल शर्मा

21. ममतामयी–माँ 72
श्रीमती कृष्णा

22. पहाड़ों में मृत होते जल स्रोत; कारण और उपाय 73–76
वाचस्पति बहुखण्डी

23. अधूरा श्रृंगार 77
राज चन्द्रा

24. मध्य हिमालय की भोटिया जनजाति का समाज एवं जनजीवन 78–82
ज्योति ध्यानी

25. एक रोचक प्रसंग 83–84
विपिन कुमार जोशी

26. पर्वतीय क्षेत्र (उत्तराखंड) में पीने हेतु जल की सतत आपूर्तिः समस्या एवं समाधान 85–91
टी० आर० सपरा

27. धरती हमारी माता है 92
प्रगती सैनी

28. अब ध्यान करो 93
पंकज कुमार गुप्ता

29. अन्तः चेतना की प्रबलता 94–95
तेजपाल सिंह

30. जनमाध्यमों से विज्ञान संचार 96–98
नरेश कुमार सैनी

31. हिन्दी मास–2015 के दौरान आयोजित विभिन्न प्रतियोगिताओं में पुरस्कृत अधिकारियों/कर्मचारियों की नामावली 99–101

32. "सरकारी कामकाज (टिप्पण/आलेखन) मूल रूप से हिंदी में करने संबंधी प्रोत्साहन योजना" के अंतर्गत पुरस्कृत अधिकारियों/कर्मचारियों की सूची 102

– – – – –